भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 3138

गुरूवार, 19 मार्च, 2026/28 फाल्गुन, 1947 (शक)

स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण रोजगार की हानि

3138. श्री राजिन्दर गुप्ता:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने अर्थव्यवस्था में स्वचालन तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण से क्षेत्र-वार संभावित रोजगार हानि का अनुमान लगाया है;

(ख) यदि हाँ, तो वे कौन-कौन से क्षेत्र हैं जिन्हें रोजगार विस्थापन के दृष्टिकोण से सर्वाधिक संवेदनशील माना गया है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने रोजगार हानि को कम करने और विस्थापित कामगारों के पुनर्वास हेतु पुनः कौशल प्रदान करने तथा कौशल उन्नयन कार्यक्रमों सहित अन्य कार्यनीतियों की पहचान की है;

(घ) यदि हाँ, तो लक्षित कामगारों की संख्या और क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी एजेंसियों का तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड) विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के कामगारों के संबंध में यह सुनिश्चित करने के लिए कि स्वचालन की दिशा में हो रहे परिवर्तन के कारण आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, कौन-कौन से उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर

श्रम और रोजगार राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)

(क) से (ड): नैसकॉम की अगस्त 2024 में प्रकाशित "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा के वर्ष 2027 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 6-6.5 लाख पेशेवरों से 12.50 लाख पेशेवरों से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से डेटा साइंस, डेटा क्यूरेशन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन होने की संभावना है। अब तक, एआई/बिग डेटा एनालिटिक्स प्रौद्योगिकियों के 3.20 लाख अभ्यर्थियों सहित 8.65 लाख अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन/प्रशिक्षण लिया है। कई राष्ट्रीय कार्यक्रमों के माध्यम से रीस्किलिंग और अपस्किलिंग पहलें शुरू की जा रही है जो कार्यबल परिवर्तन, पुनर्तैनाती और उभरती रोजगार भूमिकाओं के लिए तैयारियों में सहयोग करते हैं।

इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी कर्मियों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए 'फ्यूचर स्किल्स प्राइम' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक पर 27.53+ लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें से 17.24+ लाख अभ्यर्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित/प्रशिक्षित किया गया है।

इसके अलावा, एमईआईटीवाई द्वारा नासकॉम की साझेदारी से कार्यान्वित, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उत्कृष्टता केंद्र योजना के तहत, स्टार्टअप्स को विनिर्माण कंपनियों के उपयोग हेतु एआई आधारित टूल और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए सहायता दी जाती है। कंपनियों द्वारा विनिर्माण क्षेत्र में ऐसे कई उपाय प्रयोग किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के लिए 'युवाआई: एआई के साथ युवाओं की उन्नति और विकास' नामक एक राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयक क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी तथा विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सरकार युवाओं को उद्योग जगत संबंधी कौशल से लैस करने और उन्हें उभरते तथा नए जमाने की रोजगार भूमिकाओं में प्रशिक्षित करने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग (ओजेटी) के साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और पूर्व शिक्षा की मान्यता (आरपीएल) के माध्यम से अप-स्किलिंग और री-स्किलिंग को कार्यान्वित कर रही है।

भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों की जानकारी, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, कौशल/प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है।

*****